Nai Dunia (Indore), 18th March 2020, Nai Dunia Plus, Page-13

डीएवीवी के स्टूडेंट्स कर सकेंगे आईआईटी की लैब में काम

आईआईटी इंदौर और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू साइन

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स अब आईआईटी इंदौर की इंटरनेशनल लेवल की प्रयोगशालाओं का उपयोग कर सकेंगे। यह इन दोनों संस्थानों के बीच हुए एमओयू के कारण संभव हुआ है।

आईआईटी इंदौर ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के साथ संबंध जोड़ने और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को एक एमओयू साइन किया है। यह एमओयू पांच साल की अवधि के लिए किया गया है। इसके अनुसार आईआईटी इंदौर अपनी विश्वस्तरीय प्रयोगशालाओं और अनुसंधान सुविधाओं को डीएवीवी के स्टूडेंट्स के लिए ओपन करेगा। दोनों संस्थान मूल्यवर्धित अध्ययन, शिक्षण, शिक्षण और अग्रिम अनुसंधान के प्रयोजनों के लिए संकाय और छात्रों के बीच बातचीत और सहयोग की दिशा में काम करेंगे।

आईआईटी और डीएवीवी के बीच हुआ एमओयू। ● फोटो सौजन्य

एमओयू में संस्थानों द्वारा परस्पर सहयोग के किसी अन्य क्षेत्र को जोड़ने का भी प्रावधान है। इस एमओयू को शोध कार्य में वृद्धि और मूल्य आधारित शिक्षण व्यवस्था को डेवलप करने और सीखने के लिए इंदौर को केंद्र बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन कार्यपालक निदेशक ने कहा कि मैं दोनों संस्थानों की ताकत एक साथ आने से शोध कार्य को गति मिलेगी। एमओयू पर हस्ताक्षर आईआईटी इंदौर के कार्यपालक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन और डीएवीवी की कुलपति डॉ. रेणु जैन के बीच हुए।